दिल्ली में गैस सिलेण्डरों की समय पर सप्लाई न करने के बारे में शिकायतें

2342. श्री यज्ञदत्त शर्मा :

श्री सुभाष आहूजा :

क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि दिल्ली में कुकिंग गैस वितरण करने वाली एजेंसियां उपभोक्ताओं को ठीक समय पर गैस सप्लाई नहीं कर रही हैं, और

(ख) यदि हां, तो उस पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) जी, नहीं।

(ख) दिनांक 1-1-1978 से 30-6-78 तक की अवधि के दौरान "मंत्रालय के शिकायत सैल" में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई थीं जिनमें दिल्ली में कुकिंग गैस सिलेण्डरों को देर से सप्लाई करने की शिकायत थी। सभी शिकायतों की जांच की गई है। तीन मामलों में शिकायतें पूरी तरह से ठीक नहीं पाई गई, दो मामलों में, परिवहन देरी के कारण उत्पन्न हुई उत्पाद उपलब्धता की यथार्थ समस्या थी। शिकायत के एक मामले में शिकायत कर्ता ने शिकायत को पूरे ब्यौरे सहित प्रस्तुत नहीं किया था, और तीन मामलों में कुकिंग गैस के वितरकों की असफलता के कारण गैस सप्लाई करने में विलम्ब हुआ था। तेल कम्पनियों ने इन मामलों के विषय में अपेक्षित सुधारात्मक कार्यवाही की है। शेष तीन शिकायतों की जांच की जा रही है।

घाटे में चल रही रेलवे लाइनें

2343. श्री यज्ञदत्त शर्मा :

श्री सुभाष आहूजा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ रेलवे लाइनें चालू वर्ष में घाटे में चल रही हैं,

(ख) यदि हां तो कौन-सी, और

(ग) क्या सरकार का विचार उनके बारे में कोई निर्णय करने का है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) शाखा लाइनों के वित्तीय परिणामों का संकलन वार्षिक लेखों को अन्तिम रूप देने के बाद ही किया जाता है। अपेक्षित सूचना अगले वर्ष ही उपलब्ध होगी। लेकिन पिछले वित्त वर्ष (1976-77) के दौरान कुछ रेलवे लाइनें घाटे पर चल रही थी और अनुमान है कि लगभग 20 करोड़ रुपए का घाटा था।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Resolution Passed by A-I Station Masters' Association, New Delhi

2344 SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the resolution passed by the All India Station Masters' Association, New Delhi at a meeting recently on the existing system of Refresher course and taking of the tests thereof;

(b) whether they have put forward some suggestion to make the Refresher course more objective and realistic,